पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राजभवन में कवि सम्मेलन-मुशायरा का आयोजन

लखनऊ: 02 फरवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज भारत के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों एवं सचिवों के 77वें सम्मेलन में आये प्रतिनिधियों के सम्मान में राजभवन में आयोजित कवि सम्मेलन-मुशायरें का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने कार्यक्रम में आयें कवियों एवं शायरों से परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया। कवि सम्मेलन-मुशायरें में श्री उदय प्रताप सिंह, प्रो0 वसीम बरेलवी, श्री नवाज़ देवबन्दी, डाॅ0 सरिता शर्मा, सुश्री नसीम निकहत, श्री सुरेन्द्र यादवेन्द्र एवं श्री गजेन्द्र सोलंकी आदि विख्यात कवि एवं शायरों ने अपनी रचनाओं से उपस्थित अतिथियों को आनंदित किया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता, श्री उदय प्रताप सिंह ने की तथा संचालन डाॅ0 सरिता शर्मा ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ डाॅ0 सरिता शर्मा ने सरस्वती वन्दना से किया। सबसे पहले देशभक्ति एवं ओज के कवि श्री गजेन्द्र सोलांकी ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की। उन्होंने 'जाति पंथ सब अलग है, पर खून तो हिन्दुस्तानी है' जैसी कविता पढ़कर खूब वाह-वाही लूटी। डाॅ0 नसीम निखत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में अपनी गजल 'अब न वो लड़कपन है, अब न वो जवानी है, वो अलग कहानी थी यह अलग कहानी है' के साथ अन्य लोकप्रिय गजलें भी प्रस्तुत की। श्री सुरेन्द्र यादवेन्द्र ने अपनी हास्य कविता सुनायी, 'बेटा यह विकलांग वर्ष है, इस साल तुझे नौकरी मिल जायेगी'। डाॅ0 नवाज देवबंदी ने अपनी गजल हम जिन्दगी का बोझ उठाने में मर गये, अफसोस अपनी जान बचाने में मर गये तथा दूसरी गजल 'बेटी का ससुराल में रहना अच्छा लगता है' प्रस्तुत की। डाॅ0 सरिता शर्मा ने भ्रूण हत्या पर अपनी मशहूर कविता 'चाहे मुझको प्यार न देना, चाहे तनिक दुलार न देना, जन्म से पहले मार न देना' पढ़कर लोगों को बेटियों के बारे में सोचने को मजबूर कर दिया। डाॅ0 वसीम बरेलवी ने अपना शेर 'छोटी बातें करके बडे कहाँ हो जाओगे, पतली गलियों से निकलो तो खुली सड़क पर आओगे', 'वो झूठ बोलता रहा बडे सलीके से, मैं एतबार न करता तो क्या करता' तथा 'फूल तो फूल हैं, आॅखों से घिरे रहते है, कांटे बेकार हिफाजत में लगे रहते हैं' व अन्य रचनाएं पढ़कर वाह-वाही लूटी। अध्यक्षता कर रहे श्री उदय प्रताप सिंह ने भी अपने चिर-परिचित अंदाज में कविता प्रस्तुत करके लोगों का दिल जीता।

कवि सम्मेलन-मुशायरें में विधानसभा अध्यक्ष, श्री माता प्रसाद पाण्डेय, सभापति विधान परिषद, श्री गणेश शंकर पाण्डेय, विभिन्न प्रदेशों से आये पीठासीन अधिकारी, स्वास्थ मंत्री श्री अहमद हसन, पिछड़ा वर्ग एवं विकलांग कल्याण मंत्री, श्री अम्बिका चैधरी, राजनैतिक पेंशन मंत्री, श्री राजेन्द्र चैधरी, श्री अभिषेक मिश्रा व अन्य मंत्रीगण उपस्थित थे।

Conference of Presiding Of
Secretaries of Legislative Bod
Lucknow
30 January - 2 February, 2015
सांस्कृतिक कार्यक्रम

Conference of Presiding Officers and
Secretaries of Legislative Bodies in India,
Lucknow
- 2 February, 2015

Conference of Presiding Officers and
Secretaries of Legislative Bodies in India,
Lucknow
30 January - 2 February, 2015
सांस्कृतिक कार्यक्रम
कवि सम्मेलन
स्थान : गांधी सभागार, राज भवन, लखनऊ

of Presiding Officers and
of Legislative Bodies in India,
Lucknow
30 January - 2
2015
सांस्कृतिक
कवि
दिनांक